मां कात्यायनी आरती लिरिक्स

मां कात्यायनी आरती लिरिक्स
क्स (Maa Katyayani Aarti Lyrics)
जय कात्यायिनी मातानी माता,
जय कात्यायिनी माता ।नी माता ।
सुख सृष्टि में पाये ,
जो तुमको ध्याता ।।
जय कात्यायिनी माता ।।नी माता ।।
आदि अनादि अनामय ,
अविचल अविनाशी ।
अटल अनत अगोचर ल अनत अगोचर ,
अध् आनंद राशि ।।
।।
जय कात्यायिनी माता ।।नी माता ।।
लाल ध्वजा नभ चमक जा नभ चमक ,
मंदिर पे तेरे ।
जग मग ज्योति माँ जगती
ाँजगती ,
भक्त रहे घेरे ।।
जय कात्यायिनी माता ।।नी माता ।।
हे सतचित सुखदायी
ायी ,
शुद्ध ब्रह्म रूपा ।
सत्य सनातन सुन्दर र ,
शक्ति यश रूपा ।। यश रूपा ।।
जय कात्यायिनी माता ।।नी माता ।।
नवरात्री का छठा है रात्री का छठा है ,
ये कात्यायिनी रूप ।नी रूप ।
कलयुग में शक्ति बनी
बनी ,
दुर्गा मोक्ष स्वरूप ।।रूप ।।
जय कात्यायिनी माता ।।नी माता ।।
कात्यायन ऋषि पे किया
या ,
माँ ऐसा उपकार ।ँऐसा उपकार ।

पुत्री बनकेआ गयी ,
शक्ति अनोखी धर ।। अनोखी धर ।।
जय कात्यायिनी माता ।।नी माता ।।
देव की रक्षा माँ करे ाँकरे ,
लिया तभी अवतार ।तार ।

ब्रज मंडल में हो रही ,

आपकी जय जयकार ।।

जय कात्यायिनी माता ।।नी माता ।।

श्री कृष्णा ने भी किया

या ,

अम्बे आपका जाप ।

दया दृष्टि हम पर करो या दृष्टि हम पर करो ,

बारम्बार प्रणाम ।।

जय कात्यायिनी माता ।।नी माता ।।

मां कात्यायनी मंत्र (ं

त्र (Maa Katyayani Mantra)

कात्यायनी महामाये , महायोगिन्यधीश्वरी।

री।

नन्दगोपसुतं देवी

ी, पति मे कुरु ते नमः।। मे कुरु ते नमः।।

जय जय अम्बे, जय कात्यायनी